

अजय विश्‍नोई

क्रं./2016/

दिनांक : / /2016

प्रति,

डॉ.श्रीमती स्वाती गोडबोले
मान. महापौर
नगर निगम, जबलपुर म.प्र.

विषय : जबलपुर स्मार्ट सिटी प्रपोजल का सच।

संदर्भ : 1. मेरा पत्र दिनांक 23 अगस्त 2016 एवं 29 अगस्त 2016।
2. आपका पत्र दिनांक 26 अगस्त 2016।

महोदया,

आपका पत्र मिला धन्यवाद! मेरे पत्र के जबाव में, मैं आपके पत्र की अपेक्षा सकारात्मक पहल के रूप में, नगर के प्रबुद्धजनों की बैठक की अपेक्षा कर रहा था। इस बैठक में स्मार्ट सिटी प्रपोजल के सभी पहलुओं पर पूरी पारदर्शिता के साथ चर्चा हो जाती और यदि मुझे अथवा नागरिकों को कोई भ्रॉति है तो वह दूर हो जाती अथवा प्रपोजल में कोई नकारात्मक अथवा खतरनाक बात समझ में आती तो इसके समाधान पर बात हो जाती। मैंने मान. मुख्यमंत्री जी के सामने आपसे ऐसी ही पहल की अपेक्षा की थी। मान. मुख्यमंत्री जी ने भी इस पहल को शीघ्र करने के निर्देश आपको दिये थे। मैं तो अपने पत्रों के माध्यम से आपको इस पहल को शीघ्र करने के लिय बारम्बार अनुरोध कर रहा हूँ और यह अति आवश्यक है बतलाने के लिये पत्र में 1-2 विषयों का उल्लेख कर देता हूँ।

आपने लिखा है कि स्मार्ट सिटी प्रपोजल को आपने दिनांक 26.08.2016 को नगर निगम जबलपुर की वेबसाईट पर अपलोड कर दिया है। धन्यवाद! यह स्पष्ट हो गया कि पहली बार आप इसे जन-साधारण के लिये उपलब्ध करा रही हैं। कृपया नोट करें और नगर निगम की वेबसाईट को दुरस्त करलें। स्मार्ट सिटी प्रपोजल वेबसाईट पर अधूरा अपलोड हुआ है। उसके एनेक्सर साथ में अपलोड नहीं हुये है। आपने लिखा है कि प्रपोजल के अध्याय 58 में 3998.50 करोड़ रूपयों के प्रपोजल के लिये अधिकतम ऋण की आवश्यकता 1123.00 करोड़ रूपया होगी। केन्द्र और राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं के लिये आने वाली राशि (440.03 करोड़) को भी इस ऋण की राशि के साथ समायोजित करने के बाद भी तकरीबन 1500 करोड़ रूपयों की आवश्यकता होगी, जो आप शहर की भूमि एवं भूमि पर नये प्राजेक्ट बनाकर और FAR बेच कर जुटायेगें।

क्रमश : पृ. ...2...

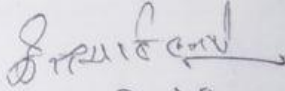
अजय विश्नोई

(2)

महोदया, नगरवासी जानना चाहते हैं स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में 3998.50 करोड़ रूपयों में कौन-कौन से काम की योजना कितने-कितने राशि की है। शहर को स्मार्ट बनाने में इसका क्या योगदान है। 1123 करोड़ की रकम जुटाने आप कौन सी भूमि, कैसे बेचेगें? आज जब शहर के बिल्डर के बने सैकड़ों फ्लैट, ड्युप्लेक्स और प्लॉट को ग्राहक नहीं मिल रहा तब आपको समय पर ग्राहक कैसे मिलेंगे और 5 वर्ष की सीमित अवधि की यह योजना पाँच साल में कैसे पूरी हो पायेगी।

अनुरोध है कि पत्राचार बंद कराके, नगर की एक बैठक बुलायें, जिसमें नगर के आर्किटेक्चर, इंजीनियर, सी.ए. डॉक्टर, वकील, व्यवसायी, उद्योगपति, पत्रकार और प्रबुद्ध जनों को आप एक मंच पर बुलाकर अपनी योजना को विस्तार से सबके सामने रखें। सबकी सुनें। खुले मन से सुनें। सबकी भ्रंशियां दूर करें और सबका सहयोग लेकर शहर को स्मार्ट बनाने के लिये द्रुत गति से कार्यवाही करें। हम सब आपके साथ हैं।

धन्यवाद!


(अजय विश्नोई)

प्रतिलिपि : मान. श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
म.प्र. शासन,
भोपाल म.प्र.